ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)-८४८ १२५

बुलेटिन संख्या-३
दिनांक-मंगलवार,८ जनवरी,२०१९

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः २२.७ एवं ८.० डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८४ सुबह में एवं दोपहर में ५२ प्रतिशत, हवा की औसत गति १.९ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण १.३ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ५.१ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में ११.३ एवं दोपहर में २०.६ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में उत्तर बिहार के कुछ स्थानों पर बूंदा-बूंदी हुई। आमतौर पर मौसम शुष्क रहा, रात्री एवं सुबह में कुहासा देखा गया।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(९ से १३ जनवरी, २०१९)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा,समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी ९ से १३ जनवरी, २०१९ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान प्रायः साफ तथा मौसम के शुष्क रहने का अनुमान है।
- अधिकतम तापमान २१ से २३ डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान ९ से ११ डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकती है। सुबह में कुहासा रहने का अनुमान है।
- इस अवधि में औसतन ३ से ५ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से अगले २४ घंटे पछिया हवा तथा उसके बाद पूरवा हवा चलने की संभावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में करीब ८० से ९० प्रतिशत तथा दोपहर में ५० से ६० प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- वैसे किसान जिन्होनें गेहूँ की जुताई के दौरान खेत में जिंक का प्रयोग नहीं किए हैं एवं खड़ी फसल में जिंक की कमी के लक्षण (गेहूँ के पौधों का रंग पीला-पीला हो जाना) दिखाई दें रहें हो तो २.५ किलोग्राम जिंक सल्फेट, १.२५ किलोग्राम बुझा हुआ चुना एवं १२.५ किलोग्राम युरिया को ५०० लिटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर की दर से १५ दिन के अन्तराल पर दो बार छिड़काव करे।
- टमाटर की फसल में फल छेदक कीट की निगरानी करे। इस कीट के पिल्लू टमाटर को बहुत अधिक नुकसान पहुचाते है। ये कच्चे तथा पके टमाटरो में छेद करके उनके अन्दर घुस कर गुदा खाते है। कीट के मल-मूत्र के कारण फल में सड़न प्रारंभ हो जाती है जिससे उत्पादन में काफी कमी आती है। इस कीट से बचाव हेतु ८-१० फेरोमौन ट्रैप प्रति हेक्टेयर खेत में लगाये। ब्यूभेरिया बेसियाना जैविक कीटनाशी का १ ग्राम प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करे। यदि कीट की संख्या अधिक हो तो इन्डोक्साकार्ब १४.५ एस०सी० १ मी०ली० प्रति २.५ लीटर पानी की दर से घोल बनाकर फसल पर छिड़काव करे।
- अगात बोयी गयी मटर की फसल में चूर्णिल फफूँदी (पाउडरी मिल्डयु) रोग की निगरानी करें। इस रोग में पत्तीयों, फलों एवं तनों पर सफेद चूर्ण दिखाई पड़ती है। इस रोग से वचाव के लिए फसल में कैराथेन दवा का १.० मिलीलीटर प्रति लीटर पानी अथवा सल्फेक्स दवा का ३ ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें। मटर की फसल में अच्छे फलन के लिए २ प्रतिशत यूरिया के घोल का छिड़काव करें।
- अरहर की फसल जिसमें ५० प्रतिशत फूल आ गया हो उसमें फली छेदक कीट की निगरानी करें। इस कीट से बचाव के लिए करताप हाईड्रोक्लोराइड दवा १.५ मी०ली० प्रति लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें।
- बिलम्ब से बोयी गयी गेहूँ की फसल जो २१ से २५ दिनों की हो गयी हो उसमें सिंचाई कर ३० किलो नेत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेशन करें। गेहूँ की बुआई के ३० से ३५ दिनों के बाद खेत में उगे विभिन्न प्रकार के खरपतवारों के नियंत्रन हेतु सल्फोसल्फयुरॉन ३३ ग्रम प्रति हेक्टर एवं मेटसल्फयुरॉन २० ग्राम प्रति हेक्टर दवा ५०० लीटर पानी में मिलाकर समान रुप से फसल में छिड़काव करें। समय से बोयी गई गेहूँ की ४५ से ५० दिनों की फसल जो कल्ले निकलने की अवस्था में है, उसमें दूसरी सिंचाई करें।
- नवम्बर माह में बोयी गई मक्का की फसल जो ५० से ६० दिनों की अवस्था में है। इन फसलों में ५० किलोग्राम नेत्रजन उर्वरक का व्यवहार कर मिट्टी चढ़ावें एवं सिंचाई करें।
- प्याज की रोपाई करें। पौध की रोपाई अधिक गहराई में नहीं करें। पिछले माह रोपी गयी प्याज में निकाई-गुड़ाई एवं हल्की सिंचाई करें। लहसून की फसल में सिंचाई करें। कीट-व्याधि की निगरानी करें।
- सब्जियों में निकाई-गुड़ाई एवं आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। आलू को १०-१५ दिनों पर सिचांई करें। आलू की फसल में कीट-व्याधि की निगरानी करें।
- दूधारु पशुओं के रख-रखाव पर विशेष घ्यान दें। इनमें दुग्ध उत्पादन बढ़ाने हेतु हरे एवं शुष्क चारे के मिश्रण के साथ नियमित रुप से ५० ग्राम नमक, ५० से १०० ग्राम खनिज मिश्रण प्रति पशु एवं दाना खिलावें।

आज का अधिकतम तापमानः २१.० डिग्री सेल्सियस, सामान्य से १.४ डिग्री कम	आज का न्यूनतम तापमानः ११.० डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ३.२ डिग्री अधिक

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी